



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 30, 1985/ माघ 10, 1906

No. 38]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 30, 1985/MAGHA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1985

सां०का०नि० 51(अ) —केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्मुगांव महापत्तन के लिये उक्त अधिनियम की धारा 36 के अधीन नियुक्त किये गये प्राधिकारियों से परामर्श करने के पश्चात् यह निर्देश देती है कि सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से साठ दिनों की अवधि के अवसान तक उक्त अधिनियम की धारा 33 के अधीन मार्मुगांव महापत्तन में वहां प्रवेश करने वाले जहाजों में से प्रत्येक जहाज पर जिनका ब्यौरा संलग्न "अनुसूची" के कालम (1) में दिया गया है, उक्त अनुसूची के कालम (2) में प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट के अनुसार उक्त अनुसूची के कालम (3) में निर्दिष्ट अवधि में पत्तन शुल्क लगाया जायेगा।

अनुसूची
पत्तन शुल्क

ऐसे जहाज जिन पर शुल्क बसूल लगाया जायेगा	प्रति टन पत्तन शुल्क	लगाये जाने शुल्क की अवधि
1	2	3

	₹ ०.६०	
1. 200 टन से 1000 टन तक के जहाज	2.00	30 दिन में एक बार प्रति टन
2. (क) 1001 टन से 10,000 टन तक के जहाज	2.40	—वही—
(ख) 10,001 टन से 20,000 टन तक के जहाज	2.80	—वही—
(ग) 20,001 टन से 50,000 टन तक के जहाज	3.20	—वही—

परन्तु कुल शुल्क की राशि
₹ 1,20,000 से अधिक
नहीं होगी।

1	2	3	1	2	3
	रु० पै०			Rs. P.	
(घ) 50,001 टन से 60,000 टन तक के जहाज	2.40	30 दिन में एक बार प्रतिटन	(d) Vessels from 50,001 tons upto 60,000 tons.	2.40	Per ton once in 30 days.
(ङ) 60,001 टन और इससे अधिक के जहाज	1.40	—वही—	(e) Vessels of 60,001 tons and above.	1.40	—do—
3. (क) कन्टीक्राफ्ट, टग, लांच, फिशिंगट्रालर, बार्ज (अयस्क ढोने वाले बार्जों को छोड़कर) और कोई जहाज जो परोक्ष मद 1 और 2 में नहीं आने।	1.00	—वही—	3. (a) Country crafts, tugs, launches fishing trawlers, barges (other than engaged in ore carrying and any other vessels not covered under clauses 1 & 2 above).	1.00	—do—
(ख) कन्टीक्राफ्ट, लांच और अयस्क ढोने वाले बार्ज	नि.शुल्क	—वही—	(b) Country crafts, launches and barges carrying ore.	Free	
(ग) क्षतिपूर्ति टनेज कर	0.10	जहाज से भेजे गये 1000 कि०घ्रा० अयस्क या उसके अंश पर	(c) Compensation Tonnage Tax.	0.10	Per 1000 Kgs. or part thereof on ore shipped.

टिप्पणी.—सभी प्रकार के तटीय जलयानों पर (टैंकरों को छोड़कर) उक्त दरों के 50 प्रतिशत की दर में पत्तन शुल्क लगाया जायेगा।

[फा० पी० डब्ल्यू०/पी०जी०प्रार०/58/84(i)]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

ORDER

New Delhi, the 30th January, 1985

G.S.R. 51(E).—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government, after consulting the authorities appointed under section 36 of the said Act for the Major Port of Mormugao hereby directs that from the date of publication of this order in the Official Gazette till the expiration of a period of sixty days, the Port dues leviable under section 33 of that Act at the Major Port of Mormugao shall be levied on each of the vessel entering the Port of Mormugao as described in column (1) of the 'Schedule' hereby annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2), and at the intervals specified in the corresponding entry in column (3), of the said Schedule.

SCHEDULE PORT-DUES

Vessels chargeable	Rates of Port dues per ton	Dues how often chargeable in respect of the same vessel.
1	2	3
	Rs. Ps.	
1. Vessels from 200 tons upto 1,000 tons.	2.00	Per ton once in 30 days.
2. (a) Vessels from 1,001 tons upto 10,000 tons.	2.40	—do—
(b) Vessels from 10,001 tons upto 20,000 tons.	2.80	—do—
(c) Vessels from 20,001 tons upto 50,000 tons.	3.20	Per ton once in 30 days subject to a maximum of Rs. 1,20,000.

NOTE : Port dues on all coastal vessels (other than tankers), shall be levied at 50% of above rates.

[F.No. PW/PGR-58/84(i)]

अधिसूचना

सा०का०नि० 52(अ) —केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना सा०का०नि० 646(अ) दिनांक 6 सितम्बर, 1984 का अधिक्रमण करते हुए उसके अधिक्रमण की तारीख से पहले किये गये या न किये गये कार्यों को छोड़कर यह निर्देश देती है कि सरकारी राज पत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से आठ दिन के अवसान के पश्चात् मार्मगांव पत्तन में प्रवेश करने वाले प्रत्येक जहाज पर जिसका ब्योरा संलग्न अनुसूची के कालम (1) में दिया गया है, उक्त अनुसूची के कालम 2 में प्रत्येक के सामने दी गई दर निर्दिष्ट दरों पर उक्त अनुसूची के कालम 3 में प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये पत्तन शुल्क लगाया जायेगा :—

अनुसूची

पत्तन शुल्क

शुल्क वसूलने योग्य जहाज	प्रति टन पत्तन शुल्क	शुल्क वसूलने की अवधि
(1)	(2)	(3)
	रु० पै०	
1. 200 टन से 1000 टन तक के जहाज	2.00	30 दिनों में एक बार प्रति टन
2. (क) 1001 टन से 10,000 टन तक के जहाज	2.40	—वही—
(ख) 10,001 टन से 20,000 टन तक के जहाज	2.80	—वही—

1	2	3
	ह० पै०	
(ग) 20,001 टन से 50,000 टन तक के जहाज	3.20	30 दिनों में एक बार प्रति टन परन्तु कुल शुल्क की राशि ह० 1,20,000 से अधिक नहीं होगी।
(घ) 50,001 टन और उससे 60,000 टन तक के जहाज	2.40	30 दिन में एक बार प्रति टन
(ङ) 60,001 टन और इससे अधिक के जहाज	1.40	-वही-
3. (क) कन्द्रीकापट, टग, लांच, फिशिंगबोट, बार्ज (अथवा बोने वाले बार्जों को छोड़कर) तथा अन्य जहाज जो उक्त मव-1 और 2 में नहीं आते।	1.00	-वही-
(ख) कन्द्रीकापट, लांच और अथवा बोने वाले बार्ज।	नि.शुल्क	
(ग) क्षतिपूर्ति टनेज कर	0.10	जहाज द्वारा भेजे गये 1000 कि०ग्रा० अथवा उसके अंग पर

टिप्पणी :-

- (1) तटवर्ती जहाजों (टेंकरों को छोड़कर) पर उपरोक्त 50% पतन शुल्क वसूला जायेगा।
- (2) विदेशी जहाजों पर निम्नलिखित ऐसे पार्सलों में उपरोक्त दर के 70% पतन शुल्क वसूला जायेगा:-
 - (क) जो जहाज जतरल कार्यों के पार्सलों को चढ़ाने-उतारने के काम में लगा है जो 3,000 टन से अधिक केन हों।
 - (ख) जो जहाज देश के किसी अन्य पतन में ले जाने के लिये दूसरे जहाज में सिर्फ जतरल कार्यों उतारने के लिये पतन में आता है।
 - (ग) लैण, कंटेनर और रो-रो जहाज।

3. पतन शुल्क की संगणना करने में जहाज के पतन की सीमा में प्रवेश करने के दिन को भुगतान का दिन गिना जायेगा चाहे वास्तविक भुगतान की तारीख कोई भी हो।

4. इन पर पतन शुल्क नहीं लगेंगे :-

- (1) कोई भी विहार नौका।
- (2) कोई भी जहाज जिसने पतन छोड़ दिया है, उसे मौसम या किसी प्रकार की क्षति होने की स्थिति में बाध्य होकर फिर से पतन में प्रवेश करना पड़ता है।
- (3) दूसरे भारतीय पतनों के जहाज।
- (4) जो जहाज भारतीय नौसेना के/जो सरकारी कंपनियों के होते हैं।

5. जो जहाज खाली और बगैर यात्री के पतन में प्रवेश करता है उसके उक्त दर की तीन चौथाई दर पर पतन शुल्क लिया जायेगा। यह उपबंध सिर्फ कार्गो व यात्री जहाज पर ही लागू होता है।

6. जो जहाज पतन में प्रवेश करता है किन्तु किसी प्रकार का कोई कार्गो या यात्री न तो चढ़ाता है या उतारता है (संरम्भ के प्रयोजन के लिये माल उतारने और चढ़ाने को छोड़कर) तो उसमें उक्त दर की आधी दर पर पतन शुल्क लिया जायेगा।

7. कोई भी जहाज जो भारतीय पतन (अर्थात् बम्बई) से किसी विदेशी पतन के लिये रवाना होता है और रास्ते में किसी विदेशी पतन के लिये कोई कार्गो या यात्री चढ़ाता या उतारता है, तब उसे पतन शुल्क के प्रयोजन के लिये विदेशी-जहाज समझा जायेगा।

8. जो जहाज अन्य पतन से आकर इस पतन में प्रवेश करता है और अपनी खपत के लिये सिर्फ खाद्य सामग्री, जल, बंकर, कोयला या तरल ईंधन लेता है, तब उसमें उक्त दर की आधी दर पर पतन शुल्क वसूला जायेगा।

9. कोई जहाज जो टिप्पणी (5), (6) और (8) के तहत पतन शुल्क का भुगतान करने के बाद कोई कार्गो या यात्री को चढ़ाने या उतारने के लिये 30 दिन के भीतर पतन में प्रवेश करता है, तब उससे सिर्फ अन्तर की राशि वसूली जायेगी।

10. कोई भी जहाज जो बीमार/मृत कर्मियों को उतारने के लिये पतन में प्रवेश करता है, उससे पतन शुल्क नहीं लिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

- (क) "जहाज" में यात्री या सम्पत्ति के लाने ले जाने के लिये बनाई गई वस्तु शामिल है, खासकर जल के रास्ते से।
- (ख) "टन" का तात्पर्य उस टन से जिसे कुछ समय के लिये लागू नियमों द्वारा नियत किया गया है या नियत किया जाता है जिससे जहाज के सकल टनेज के माप को विनियमित किया जा सके।
- (ग) "तटवर्ती जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो भारत में किसी भी पतन या स्थान के भारत के किसी भी पतन या स्थान के लिये समुद्री मार्ग से यात्रियों या कार्गो को लेने में लगा है।
- (घ) "विदेशी जहाज" का तात्पर्य उस जहाज से है जो भारत में किसी पतन या स्थान तथा भारत के बाहर अन्य पतन या स्थान पर पतनों या स्थानों के बीच व्यापार करने में लगा है।

[फाइनल सं - पी डब्ल्यू/पीजीआर-58/84-(ii)]

Notification

G.S.R. 52(E):-In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 33, read with Section 34 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and transport (Ports Wing) No. G.S.R. 646-E dated the 5-9-1984 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the official Gazette, Port dues shall be levied on each of the vessels entering the Port of Mormugao as described in column (1) of the 'Schedule' hereby annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2), and at the intervals specified in the corresponding entry in column (3) of the said schedule.

SCHEDULE
PORT-DUES

Vessels chargeable	Rates of Port dues per ton	Dues how often chargeable in respect of the same vessel
	Rs. Ps.	
1. Vessels from 200 tons upto 1,000 tons	2.00	Per ton once in 30 days
2. (a) Vessels from 1,001 tons upto 10,000 tons	2.40	-do-
(b) Vessels from 10,001 tons upto 20,000 tons.	2.80	-do-
(c) Vessels from 20,001 tons upto 50,000 tons.	3.20	Per ton once in 30 days subject to a maximum of Rs. 1,20,000.
(d) Vessels from 50,001 tons upto 60,000 tons.	2.40	Per ton once in 30 days
(e) Vessels of 60,001 tons and above.	1.40	-do-
3. (a) Country craft, tugs, launches fishing trawlers, barges (other than engaged in ore carrying and other vessels not covered under clauses 1 & 2 above).	1.00	-do-
(b) Country craft, launches and barges carrying ore.	Free	—
(c) Compensation Tonnage Tax	0.10	Per 1000 kgs. or part thereof on ore shipped.

NOTES: 1. Port dues on all coastal vessels (other than tankers), shall be levied at 50% of above rates.

2. Port dues on foreign vessels shall be levied at 70% of above rates in the following cases:

(a) Vessels engaged in loading/unloading parcels of general cargo of the order of not more than 3 000 tonnes.

(b) Vessels calling at the Port exclusively for lightering general cargo into other vessels for being carried to any other port in the country.

(c) Lash, container and RO-RO vessels.

3. In calculating the port dues the day of entry of a vessel within the limits of the port will be reckoned as the day of payment irrespective of the actual day of payment.

4. Port dues shall not be levied on :

(i) Any pleasure yacht.

(ii) Any vessel, which, having left the Port, is compelled to re-enter by stress of weather or in consequence of having sustained any damage.

(iii) Vessels belonging to other Indian Ports.

(iv) Vessels belonging to Government and playing blue/white ensigns.

5. Vessels entering the Port in ballast and not carrying passengers shall pay Port Dues at a rate of three-fourths of the above rate. This proviso is applicable to cargo-cum-passenger vessels only.

6. Vessels that enter the Port but do not discharge or take in any cargo or passengers therein (with the exception of such unshipment and reshipment as may be necessary for the purpose of repair) shall pay at one half of the above rate.

7. A vessel proceeding from an Indian Port (say Bombay) to a foreign Port and calling at Mormugao enroute to take in or discharge any cargo or passengers for a foreign port, shall be treated as a foreign vessel for the purpose of Port Dues.

8. Vessels entering the Port from other ports and taking in only provisions, water, bunker, coal or liquified fuel, for their own consumption, shall be charged at one half of the above rates.

9. Vessels which, after paying the port dues under notes (5), (6) and (8), re-enter the Port within the period of 30 days for taking or discharging any cargo or passengers shall be charged the difference.

10. Port dues shall not be levied on any vessel calling for disembarking sick/deceased crew.

EXPLANATION

(a) "Vessel" includes anything made for the conveyance, mainly by water, of human beings or of property.

(b) "Ton" means a ton determined or determinable by the rules for the time being in force, for regulating the measurement of the net tonnage of vessels.

(c) "Coastal Vessel" means a vessel which is engaged in the carriage by sea of passengers or cargo from any Port or place in India to any other Port or place in India.

(d) "Foreign Vessel" means a vessel engaged in Trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

[File No. PW/PGR-58/84 (ii)]

अधिसूचना

सांकांनि० 53(घ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नौबहन एवं परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या सांकांनि० 283 दिनांक 21-2-1967 में पुनः संशोधन करते हुए मार्मुगांव पत्तन में पायलट कार्य और अन्य सेवाओं के लिये कीम के विनियमन के लिये निम्नलिखित आदेश जारी करती है, अर्थात्:—

आदेश

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) यह आदेश मार्मुगांव पत्तन पायलटज और अन्य सेवा (शुल्क) (संशोधन), आदेश, 1985 कहा जायेगा।

(2) यह तत्काल प्रवृत्त होगा।

2. आसुगोष पत्तन पायलेट-कार्य और अन्य सेवा (शुल्क) आदेश, 1967 की अनुसूची "क" और "ख" में निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

अनुसूची

भाग—क

पायलेट—कार्य के लिये फीस

पत्तन में और पत्तन के बाहर जलयानों के पायलेट-कार्य के लिये संबंधित जलयानों पर लगने वाली (आने व जाने वाले जलयानों को पायलेट करने के लिये) फीस	जलयानों का आकार	आने व जाने वाले जलयानों के पायलेट कार्य के लिये फीस की दर	यूनिट
1	2	3	4
		रु० प०	
	1000 जी आर टी तक	1.00	प्रति जी० आर० टी०
	1001 जी आर टी और 10,000 जी आर टी तक	1.20	
	10,001 जी आर टी और 20,000 जी आर टी तक	1.40	"
	20,001 जी आर टी और 40,001 जी आर टी तक	1.60	"
	40,001 जी आर टी और उससे अधिक	1.80	"

टिप्पणी :—

1. बंदरगाह में या उसके बाहर जलयानों को पायलेट करने के लिये लगने वाली फीस में पत्तन के पायलेटों की सेवाएं और कर्मी दल सहित पायलेट लांच पर लगने वाली फीस शामिल है लेकिन इसमें जलयानों के लंगर डालने या हटाने, जलयानों को घाट पर लाने या वहां से हटाने और नौकरों पर परिवालन के काम में लगे लांचों और टगों की सेवाएं शामिल नहीं हैं।

2. यह प्रभार न्यूनतम 500 रुपये होगा।

3. "शांत संचलन" के अन्तर्गत जलयान के पायलेट-कार्य के लिये अर्थात् जलयान के इंजन की शक्ति के बिना पूर्णतः अथवा अंशतः किसी परिवालन के लिये पायलेट-कार्य फीस उपर्युक्त से दुगुनी दरों पर ली जायेगी।

4. जलयान की धारा से घाट पर या घाट से धारा में ले जाने अथवा घाट या लंगरगाह बदलने के लिये फीस प्रति परिवालन उपर्युक्त दरों के 10 प्रतिशत की दर से ली जायेगी। पत्तन की सुविधा के लिये किये गये किसी भी स्थानान्तरण के लिये प्रभार नहीं लिया जायेगा।

5. तटीय जलयानों पर फीस (टैकरो) से भिन्न उपर्युक्त दरों के 50 प्रतिशत की दर से ली जायेगी।

6. यदि पायलेटों की सेवाएं किसी संचलन के लिये मांगी गयी हों और जलयान पर पायलेट के पहुंच जाने के बाद यदि उसकी सेवाओं 1476 GI/31—2

का उपयोग न किया गया हो तो 600 रुपये की दर से फीस ली जायेगी। तथापि, यदि (क) जलयान पर पायलेट के पहुंचने के दो घंटे पहले उसकी सेवाओं की आवश्यकता को रद्द करने की सूचना मिल गयी हो और (ख) किन्हीं ऐसी आपावक परिस्थितियों में संचलन रद्द हो गया हो जिसमें जलयान का कोई दोष न हो तो ऐसी दशा में उक्त फीस नहीं ली जायेगी। यदि इस खंड के अन्तर्गत भुगतान के बारे में कोई संदेह पैदा हो तो मामला अध्यक्ष को भेजा जायेगा जो उसका निर्णय करेगा।

7. यदि पायलेट-कार्य के प्रयोजन से जलयान पर पायलेट के पहुंचने के बाद 30 मिनट के भीतर उक्त जलयान वहां से नहीं चलता है तो 30 मिनट की उक्त अवधि के बाद जब तक उक्त जलयान वहां से नहीं चलता है तब तक के लिये प्रति आधा घंटा या उसके किसी हिस्से के लिये 300 रुपये की अतिरिक्त फीस ली जायेगी।

8. यदि बाहर जाने वाला जलयान खराब मौसम के कारण पायलेट को पत्तन की सीमा से बाहर ले जाता है तो जब तक वह पायलेट पत्तन में ड्यूटी पर वापस नहीं पहुंच जाता तब तक के लिये जलयान के मास्टर को प्रति दिन 1,000 रुपये की दर पर पायलेट के खान-पान और आवास का व्यय वहन करना होगा। पत्तन तक पायलेट को वापस भेजने का खर्च भी जलयान के मास्टर को वहन करना होगा।

भाग—ख

(लंगर डालने और हटाने का शुल्क)

	दर रु० प०	यूनिट
लंगर डालने, दोबारा लंगर डालना और हटाना	500.00	प्रतिपरि- चालन

टिप्पणी :—

उपर्युक्त में से कोई भी परिवालन कार्य यदि पत्तन की सुविधा के लिये किया जायेगा तो उस पर प्रभार नहीं लिया जायेगा।

टिप्पणी :—

मूल नियम भारत के राजपत्र दिनांक 4-3-67 के भाग-2 खण्ड-3 उपखण्ड (1) में पृष्ठ 319—320 पर नौबहन और परिवहन मंत्रालय की सरकारी अधिसूचना संख्या फा० सा०का०नि० 283 दिनांक 4-3-67 में प्रकाशित किये गये थे और बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधित किये गये थे :—

(1) अधिसूचना संख्या, 7-पी जी (31) 167, दिनांक 31-1-68 सा०का०नि० संख्या 262, दिनांक 10-2-68 पृष्ठ 270—71

(2) अधिसूचना संख्या पी जी जी -171/74, दिनांक 14-4-75 सा०का०नि० संख्या 535, दिनांक 26-4-75, पृष्ठ 1222—1224

(3) अधिसूचना संख्या पी जी आर 50/77, दिनांक 22-4-77 सा०का०नि० संख्या 189(अ) दिनांक 22-4-77, पृष्ठ 711—713

(4) अधिसूचना संख्या पी जी आर -106/77, दिनांक 9-11-77 सा०का०नि० संख्या 698(अ) दिनांक 9-11-77, पृष्ठ 2155—2156 जी०एस०आर० संख्या 689(अ) दिनांक 9-11-77, पृष्ठ 2156—2159

जी०एस०आर० संख्या 646(अ) दिनांक 5-9-84, पृष्ठ 3-5

[फाइल संख्या पी डब्ल्यू/पी जी आर/58/84(iii)]

बी०वी० राव, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

G.S.R. 53(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. G.S.R. 283 dated 21-2-1967 for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of Mormugao, namely :—

ORDER

1. Short title and commencement :—(1) This order may be called the Port of Mormugao Pilotage and other Services (Fees) (Amendment) Order, 1985.

(2) It shall come into force at once.

2. In the Port of Mormugao pilotage and other Services (Fees) Order, 1967, for Part 'A' and 'B' of the Schedule, the following shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

PART-A

Pilotage Fees

lotting Vessels in and out of port leviable on all vessels (inward and outward pilotage)	Vessels Size	Rates for inward & outward pilotage	Unit
1	2	3	
		Rs. Ps.	
Upto 1000 GRT		1.00	Per GRT
1001 GRT upto 10000 GRT		1.20	-do-
10001 GRT upto 20000 GRT		1.40	-do-
20001 GRT upto 40000 GRT		1.60	-do-
40001 GRT and above		1 80	-do-

NOTES:—

- The fees leviable for piloting vessels in and out of the Harbour includes services of the Port's Pilots & the services of pilot launch with the crew but excludes the services of launches and tugs engaged in mooring or unmooring, berthing or unberthing and towing operations.
- Above charges shall be levied subject to a minimum of Rs. 500.
- For piloting a vessel on "Cold Move" namely, without the power of the engine of the vessel party or fully in any operation, pilotage fees shall be levied at double the rates mentioned as above.
- For shifting a vessel from stream to a berth or berth to stream or change of berths or anchorages, fees shall be levied at 10% of the above rates per each operation. Any shifting done for the convenience of the Port shall not be charged.
- Coastal vessel (other than tankers) shall be charged at 50 per cent of above rates.

6. In the case of pilots whose services have been requisitioned for any movement but not utilised after the pilot has boarded a vessel, fees at Rs. 600 shall be levied. However, these fees shall not be levied in cases of (a) cancellations received two hours before the pilot boarded the vessel and (b) cancellations of movement caused under exceptional circumstances for reasons that could not be attributed to the vessel's fault. If any doubt arises about the payment of the fees under this clause, the matter shall be referred to the Chairman, who shall decide the same.

7. If the vessel is not able to move within thirty minutes of the pilot's boarding it for the purpose of pilotage it shall be liable to pay an extra fee at the rate of Rs. 300 per half an hour or part thereof beyond thirty minutes till it moves.

8. If an outward bound vessel carried away a pilot outside the port limit due to bad weather, compensation at the rates of Rs. 1,000 per day shall be payable by the Master of the vessel till the pilot reports back for duty at the port. In addition, the boarding and loading expenses of the pilot on board the ship and the cost of sending him back to the port shall also be payable by the master of the vessel.

PART-B

Mooring and Remooring Fees

	Rate Rs. P.	Unit
Mooring, remooring or unmooring	500.00	Per operation

NOTE :—

Any operation as above performed for the convenience of the Port shall not be charged.

NOTE:—The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated 4-3-67 at pages 319-320 vide Government notification, Ministry of Shipping and Transport, No. GSR 283 dated 4-3-67 and was subsequently amended by,—

- Notification No. 7-PG(31)/67 dated 31-1-68 G.S.R. No. 262 dated 10-2-68 pp 270-271.
- Notification No. PGG-17/74 dated 14-4-75 G.S.R. No. 535 dated 26-4-75 pp 1222-1224.
- Notification No. PGR/50/77 dated 22-4-77 G.S.R. No. 189 (E) dated 22-4-77 pp 711-713.
- Notification No. PGR-106/77 dated 9-11-77 G.S.R. No. 688 (E) dated 9-11-77 pp 2155-2156 G.S.R. No. 689 (E) dated 9-11-77 pp 2156-2159 G.S.R. No. 646 (E) dated 5-9-84 pp 3-5-

[File No. PW/PGR/58/84-(iii)]

P.V. RAO. Jt. Secy.